श्री राम

लुधियाना
३०.५.५९

महामहिम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी

सविनय सादर नमस्कार।

आपका स्वास्थ्य चिन्ता करने योग्य होकर आप डॉ. सेन महोदय के चिकित्सालय में प्रविष्ट हुए, एवं प्रधान की चिकित्सा और डाक्टरों की सूचना तथा देखरेख में होकर कुछ आराम हुआ आदि बातें पढ़कर मनमें भी आतुरता बढ़ रही थी यह बात होने का अनुभव मैं करता था और यह आशा लेकर चल रहा था कि आपके स्वास्थ्य सुधार को आपकी आंखों से देखकर हृदय को संतोष दे सकूंगा। इस हेतु आपके दर्शन मात्र की अभिलाषा से दिल्ली के मान्यवर लाला हंसराज जी गुप्त द्वारा कल सायंकाल में बैठे अनुमति प्राप्त करवाने का प्रयास करने के लिये लिखा था, कल मैं दिल्ली पहुंचा तो समाचार मिला कि अनेक महानुभावों के मिलने आने से उनके साथ बात चीत करने से आपको अत्यधिक श्रम होकर फिर कुछ ज्वर हो गया है इस कारण मिलने के लिये आने वालों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है सो उचित ही हुआ किन्तु आपके दर्शनों से मैं वंचित रह गया हूं।

आज इस दूरस्थित स्थिति में आपके शीघ्र स्वास्थ्य लाभके हेतु परम पूज्य माता श्री जगन्माता के चरण कमलों में निरन्तर प्रार्थना कर रहा हूँ - करता रहूँगा। आपकी राष्ट्र की दुःस्थिति में जो मार्ग का प्रदर्शन किया, अनुसरण करने में समर्थ हैं उनमें आपका स्थान अत्यन्त साधारण श्रेष्ठतम का है। राष्ट्र को आपकी अति आवश्यकता है। अतः पूर्ण स्वास्थ्य सुदीर्घ आयु आप को प्राप्त होना अति आवश्यक है। इसी दृष्टि से मैं श्री श्री जगदम्बाजी के चरण सरोज प्रार्थना कर रहा हूँ। उनकी स्नेहपूर्ण कृपा अवश्य होगी और आगे आपको स्वस्थ सानन्द देखने का सौभाग्य मैं प्राप्त कर सकूँगा। इस प्रकार आशा को लेकर यह विनय पत्र पूर्ण कर रहा हूँ।

भवदीय शुभानुध्यायी

[illegible]

प्रति -

लुधियाना से भेजा